भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 2166
दिनांक 01.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

अफ्रीका के साथ रणनीतिक साझेदारी

2166. श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देवः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का भारत की अफ्रीका संलग्नता कार्यनीति को अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र (एएफसीएफटीए) और एजेंडा 2063 के लक्ष्यों के साथ संरेखित करने का विचार है और यदि हाँ, तो दीर्घकालिक सहयोग के लिए कौन से प्रमुख क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं;

(ख) अफ्रीकी देशों के साथ भारत की द्विपक्षीय या त्रिपक्षीय सहयोग रूपरेखाएं, एएफसीएफटीए उद्देश्यों के अनुरूप क्षेत्रीय व्यापार एकीकरण, संपर्क अवसंरचना और परिवहन गलियारे के विकास को कितनी सहायता प्रदान करती हैं;

(ग) क्या भारत विशेषकर संपूर्ण अफ्रीका के छोटे किसानों के लिए कृषि तकनीक और जलवायु-संवेदी परिपाटियों सहित कृषि मूल्य श्रृंखलाओं में लक्षित समर्थन प्रदान कर रहा है और यह भारत के आईटीईसी या एलओसी जैसे विकास सहयोग कार्यक्रमों के साथ किस प्रकार संरेखित है; और

(घ) अफ्रीका के उभरते विनिर्माण, डिजिटल अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्रों में और विशेषकर उन देशों में जहाँ भारत शीर्ष तीन व्यापारिक भागीदारों में से एक है, भारत के व्यापार और निवेश को सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं या प्रस्तावित हैं?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) अफ्रीका के साथ भारत की साझेदारी अफ्रीकी देशों की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं पर आधारित है। इस संबंध में, अफ्रीकी देशों के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए एएफसीएफटीए और एजेंडा 2063 के साथ एलाइनमेंट आवश्यक है। दीर्घकालिक सहयोग के लिए चिन्हित प्रमुख क्षेत्र ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, अवसंरचना, क्षमता निर्माण और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना हैं।

(ख) अफ्रीका में विशेष रूप से अवसंरचना के क्षेत्र में भारत की विकास साझेदारी पहलों में विभिन्न क्षेत्रों जैसे बिजली, जलविद्युत, पारेषण और वितरण नेटवर्क, बांध, सड़क, रेलवे, कृषि और सिंचाई, औद्योगिक इकाइयां, कौशल विकास, सिविल निर्माण, रक्षा आदि परियोजनाएं शामिल हैं। इसने अवसंरचना के विकास के माध्यम से कनेक्टिविटी में सुधार करके क्षेत्रीय व्यापार सुविधा का समर्थन करने वाले अफ्रीकी प्रयासों में योगदान दिया है।

(ग) सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना के लिए कृषि मशीनरी और उपकरणों की आपूर्ति, सिंचाई परियोजनाओं को कमीशनिंग, मृदा अनुकूलन, कृषि मशीनीकरण और उर्वरक सहायता से कृषि उत्पादकता बढ़ाते हुए कृषि क्षेत्र में कई विकास परियोजनाएं शुरू की हैं।

(घ) भारत, परियोजना और व्यापार के अवसरों को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय उद्योग और अफ्रीका के बीच बढ़ते संपर्क के माध्यम से फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना , शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास, महत्वपूर्ण खनिजों, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और ऊर्जा सेक्टर जैसे क्षेत्रों में अफ्रीकी देशों के साथ सहयोग करना जारी रखेगा।

*****